चउसरणाइसंथारए सावद्दियोगवावारवरभाइ ॥ अक्किरणाएकलननेनकरवुंतेचउवन्नमजुनाणिवउ ॥ दरसपचक्खाणनि।मलीयमणवयणकायाए
तेमामारुकरुदिया करेमनेकहीइ ॥ गुणधवउजएजेगुणवंतउइ।जारदशनचारित्र ॥ कारउनाऊईनेहवंनिदवुंग्रहिवुंतेपडिक
सुद्ध नीलिनीधैकरनागुण सिद्धितनेरुनी पडिवनीएघतिघतिकीजेएगेवादणा ॥ मणुकहीइवणाकए जिमचउगणुवउंनाए

सादज्झोगविरइ अक्किरणगुणचउयवडिवत्ती खलियसनिदणावरण

तिगछए पडगणिकरीरालितिमकाउसगि ॥ दिवईछरआवश्यकविमारयविवरीकहीरछइ। मासाइएणकए सामायकिकरनिचारित्रविछिन्नी
करीअनीचारसपोत्तपजाइएणवमुआव ॥ इ।क्कीरइकरि। ईहएएएमासाइकिकीनइ। चारित्रनाअतीचार। किलेएमन्य ।तिमउ
शकजालिवउगुणएमूलगुणमालाव्रतउन्न ॥ करि॥

तिगिछगुणधारणाचेव २ चारित्तस्सविमोही अकारसमासइएणकिन्नइछय सुद्ध

साढाछए साढत्रयोगव्यापार वरुए वरजि अरुकरिता ॥ चउवीसहीनिकरविदर्शनना अतीचार तिविमउतिमली ॥
एघकिमेवगणतणोकएतिरछअरुभेदइएनछआवश्य ॥ किजइकरिताकरि ॥

जेयअज्झोगणा अक्कारसेदसन्नइ २ दसणयारविमोही चउवीसाइछुएणकिन्नइ

अरुकएनइदसनमोहा गुणरुपजिनवारइना। कीनकएकीतिमवइ। झानदशीन। इआएएआदिदेईनि ॥ छन्नएघतिएसकई
एचउवीसमजुनाणिवउ ॥ ३ ॥ चारित्र ॥ गुणिकरीनिजगुरु ॥ नमाएतेइगुरुनीप्रति

य अच्चुयगुणकित्तण सुवेगजिणवरिदाण इ माणाइयाउगुणा तस्सुत्तरपइ १

पतिदेइनाकरि ॥ नेमंत्रकएनेयविहिवादविकरानिकमीनाविसूधि। निलाडिकीरइए ॥ वरतपचखाणानेहनीपलनानेगइकरुछ
करइएवीदणाजाणिवा ॥ ४ ॥ इ ॥ नेमएनेहना अतीचार ॥ छनरपिवत्ती ॥

इतिकरणाइ वंदणएणविहिणा कीरइसोहीउतेमिछ ध खलियसमृयतेमिछणा

विहिकएविहिकरा जंनिएनिंदवुंग्रहिवु। तेणिकरीयापयछति तेणिपडिकमणीकरानि ॥ तेमानादिकना अतीचारविहिनिर्मलनाकरवा
तेणिकरीयंवुंनिबूतवुं ॥

विहिणाजंनिंदणाइपडिकमणे तेणयडिक्कमणेणं तमिंपियकारणसोही य इ

इविकामगनुछकारकरइछर। ॥ अनुक्रमिवएए छणगुबइं जिमनीगछा ॥ तिमपडिक्कमणिनेअनीचार विमधनिर्मलकरतिक्रनिवीसग
जेचारित्रादिकना इच्छाए अनीचार ॥ नावसल ॥ पडागणीकरातिदालि ॥ तिक्रोधकअतीचाररछाकरु अथवापडिकमानाआलोनाका

रणाइआइयाणं जहक्कमवएणतिगिछरुवेणं पडिक्कमणासुद्धाणं सोहेउतहकारं

एपेवमुआ ॥ गुणएमलगुणउत्तर ॥ पछएनेप्रत्याख्यानिकरीनि। तवएतणावारना ॥ विरिएवीर्यचारनाअतीचार मदेएमघछाएअतीचार ॥ चारनि
वसक ॥ ६ ॥ गुणधरवारुप ॥ नेमि ॥ ॥ अतीचार ॥ गुणीकएघनघिवली ॥

मणेणं इ गुणक्खणरुवेणं पछदणेणंतवईयारस्स दिसियायारस्सउणो सइहिवि

कीएकएिएवुआवमक ॥ ७ ॥ एवइआवश्यकजेणिउरुपियपरुप्पनेनीमाताइंचउटसुहणलाहाउतेकहीउहरुगवमदकविना गजाकुंमलाधिक ॥

कीरणसोही उ गयवमदमोदअनिमेय दामन्नशिदिसायरंरुयऊस यज्ञमसरसागर

चउसरणाइसंथारए सावद्दियोगवावारवरभाइ ॥ अक्किरणाएकलननेनकरवुंतेचउवन्नमजुनाणिवउ ॥ दरसपचक्खाणनि।मलीयमणवयणकायाए
तेमामारुकरुदिया करेमनेकहीइ ॥ गुणधवउजएजेगुणवंतउइ।जारदशनचारित्र ॥ कारउनाऊईनेहवंनिदवुंग्रहिवुंतेपडिक
सुद्ध नीलिनीधैकरनागुण सिद्धितनेरुनी पडिवनीएघतिघतिकीजेएगेवादणा ॥ मणुकहीइवणाकए जिमचउगणुवउंनाए
तिगछए पडगणिकरीरालितिमकाउसगि ॥ दिवईछरआवश्यकविमारयविवरीकहीरछइ। मासाइएणकए सामायकिकरनिचारित्रविछिन्नी
करीअनीचारसपोत्तपजाइएणवमुआव ॥ इ।क्कीरइकरि। ईहएएएमासाइकिकीनइ। चारित्रनाअतीचार। किलेएमन्य ।तिमउ
शकजालिवउगुणएमूलगुणमालाव्रतउन्न ॥ करि॥
तिगिछगुणधारणाचेव २ चारित्तस्सविमोही अकारसमासइएणकिन्नइछय सुद्ध
साढाछए साढत्रयोगव्यापार वरुए वरजि अरुकरिता ॥ चउवीसहीनिकरविदर्शनना अतीचार तिविमउतिमली ॥
एघकिमेवगणतणोकएतिरछअरुभेदइएनछआवश्य ॥ किजइकरिताकरि ॥
जेयअज्झोगणा अक्कारसेदसन्नइ २ दसणयारविमोही चउवीसाइछुएणकिन्नइ
अरुकएनइदसनमोहा गुणरुपजिनवारइना। कीनकएकीतिमवइ। झानदशीन। इआएएआदिदेईनि ॥ छन्नएघतिएसकई
एचउवीसमजुनाणिवउ ॥ ३ ॥ चारित्र ॥ गुणिकरीनिजगुरु ॥ नमाएतेइगुरुनीप्रति
य अच्चुयगुणकित्तण सुवेगजिणवरिदाण इ माणाइयाउगुणा तस्सुत्तरपइ १
पतिदेइनाकरि ॥ नेमंत्रकएनेयविहिवादविकरानिकमीनाविसूधि। निलाडिकीरइए ॥ वरतपचखाणानेहनीपलनानेगइकरुछ
करइएवीदणाजाणिवा ॥ ४ ॥ इ ॥ नेमएनेहना अतीचार ॥ छनरपिवत्ती ॥
इतिकरणाइ वंदणएणविहिणा कीरइसोहीउतेमिछ ध खलियसमृयतेमिछणा
विहिकएविहिकरा जंनिएनिंदवुंग्रहिवु। तेणिकरीयापयछति तेणिपडिकमणीकरानि ॥ तेमानादिकना अतीचारविहिनिर्मलनाकरवा
तेणिकरीयंवुंनिबूतवुं ॥
विहिणाजंनिंदणाइपडिकमणे तेणयडिक्कमणेणं तमिंपियकारणसोही य इ
इविकामगनुछकारकरइछर। ॥ अनुक्रमिवएए छणगुबइं जिमनीगछा ॥ तिमपडिक्कमणिनेअनीचार विमधनिर्मलकरतिक्रनिवीसग
जेचारित्रादिकना इच्छाए अनीचार ॥ नावसल ॥ पडागणीकरातिदालि ॥ तिक्रोधकअतीचाररछाकरु अथवापडिकमानाआलोनाका
रणाइआइयाणं जहक्कमवएणतिगिछरुवेणं पडिक्कमणासुद्धाणं सोहेउतहकारं
एपेवमुआ ॥ गुणएमलगुणउत्तर ॥ पछएनेप्रत्याख्यानिकरीनि। तवएतणावारना ॥ विरिएवीर्यचारनाअतीचार मदेएमघछाएअतीचार ॥ चारनि
वसक ॥ ६ ॥ गुणधरवारुप ॥ नेमि ॥ ॥ अतीचार ॥ गुणीकएघनघिवली ॥
मणेणं इ गुणक्खणरुवेणं पछदणेणंतवईयारस्स दिसियायारस्सउणो सइहिवि
कीएकएिएवुआवमक ॥ ७ ॥ एवइआवश्यकजेणिउरुपियपरुप्पनेनीमाताइंचउटसुहणलाहाउतेकहीउहरुगवमदकविना गजाकुंमलाधिक ॥
कीरणसोही उ गयवमदमोदअनिमेय दामन्नशिदिसायरंरुयऊस यज्ञमसरसागर

अमरिंदकण्देवनाइंद॥ मुणिंदकण्मुनीसाधु॥ वेदियंकण्नेदनावेदनाकंजेश्रीमहावीर। छट्कायनापीढर॥ क्रमलना
नरिंदकण्मनुष्यनाइंद॥ नाइंदुगोतमस्वामि॥ मेश्रीमहावीरनिवादीनि॥ णुकहि

किमाणा लक्षणरयणुहयमिछि८ अमरिंदनरिंदमुणिंदवंदियदिजमोक्खवीर क्रम

क्रमलमोकिनं कारण॥ सङ्घगणेकहिनो० अरधन॥ ॥९॥ वज्रमरणकी॥ध्यारमरणानु॥ उक्तकण्॥ नरिंदयहोइ॥ मुक्कगणे०मु
मनबधण्निरंतर॥ वेण्मानाइ॥ किंचइसामिक०क्त्रीलिकहामि॥ गमणाक०पडिवज्जइं॥ उक्तनयाक्रम॥ निंदीइ॥ कनानु॥ मोय०।

लाणुबंधिबंधुर मज्झयणकिंचइस्सामि ण चउमरणमरणउक्कड मरिदासुकरणुमो

अनुमोदवु॥ एमक०एवइष्टिगुण॥ अरणव०निरे॥ कायनो०ववेक्कोश्करवा॥ क्रमलण० नरामदेवए॥ मोक्षनेहदु॥ २०॥ मासुबंधमनाहनपालकः॥ केवलिक०

यणाचेव एमरणो अणदरय कायदोक्रमलदेउनि २० अरिहंतसिद्धसाक्ष केवलि

केवलीइंकऊमुषावदधर्म्मः॥ एए०एक्यारमरणा व०विऊगत्तिना॥ दुरुदुरणहार॥ मरणो०एक्यारमरण॥ २१॥ छद्दय अष्ठ अनेतरनेमत्र रुद
कोइ कक्षनतनंति. मनुक्रमलहियामि॥ को

कहिउमुक्कावद्दोधम्मो एएचउरोचउगइ हरणामरणसदृश्यक्के २१ अहमोजिणाण

मोक्ष०नेजिन॥ घरव०विमलउ॥ उज्जलसर॥ यहरिमक०हर्षमहिनऊंड॥ मीमेमिक०मम्मकि।कयंजलीक०
नीर्घकरना॥ क्रनिकर्मनइकरालो०विकरा॥ पुण०पुनरपिवला।मीमंक०॥ ॥हाघओमीनि॥ मणक०ओलइ॥
मन्निण्मणिकर॥ ल।फेरुउ क्रउकर्म्मसचुनि॥ नमरीलस क्रतुकोमल॥ ॥१२॥

नरुक०
नमयउं
उगमगम
रुपाउकंख
वुउ०१२

त्तिसरु ब्रंचरोमकंचुयकरालो पहरमरणउम्मीमं मीमेमिकयंजलीसरा१२

रागद्दोसक०रागदय॥ हंता०हरणा।कमहरा१क०वलीआउ॥ विम०विषयकषायसपाआ॥ अरि०एहवा अरिहंतनुंम
रुपाआरा०वैरा॥ करीनइहणवा॥ मरिह०जाममऊआ॥ अरीणक०वैरानिहणावायेमि॥ क्रनिमरणा।क्रनि०ऊउ॥

रागद्दोसारणं हंताकम्महणाइं अरिहंता विसयकसायारणं अरिहंताऊउमेस

१३॥ रायमिरि०रानमरावोन्नीइलभी॥ नय०जेनयःचरण०आरित्रउचर०उमर॥ केवल०केवलज्ञान।केवलद॥
कोआरनेकार०मव०आउनइ॥ अणुचरिता क०तेआचरीनइ॥ शीनरुपणा।लक्ष्मीपामवा॥

रणं१३ रायमिरिमवकम्मित्ता नवचरणंउचरंअणुचरित्ता केवलमिरिमरिहंता ऊ

मरिहंता०योपऊया। अरिहं॥ छुरक०नेनीर्घकरना।स्तुनि॥ अमण०देवताना इंद्रना।नरिं०मनुष्यना॥ मासयक०मा
नेअरिहंतनं।मे०मऊनइमरणऊ १४॥ वंद०वोदवो अरिहंतोमऊया॥ इंद्रकऊवनिवासुदेवनी१०पूजानइं॥ स्वता॥सुद०

रिहंताऊउमेमरणं१४ छुरकदरणमरहंता अमरिंदनरिंदपूयमरिहंता मासयसु

तेअष्टकर्म
केहा।ज्ञाना
वरणी।दर्श
नावरणी।वे
दनी।मोह
नी।आउष
नाम।गोत्र।
अंतराय।
इएह अष्ट
कर्मी तेहना
टालणहार
अरिहंत॥२

मरिहंता०
अरिहंतमो
यपूजया॥२

Digitized with financial assistance from the
Government of Maharashtra
on 11 June, 2017

सुयपामवा। अरहं॥ एहवा अरिहंतनेसमरुनि॥ एरम०परजीवनासनोगनसावजागि॥ जोइंदक०महिद०॥ जाण०जेथ्यादा
जोगपहुजा॥ सरणाकुन॥ २५॥॥ जोगिइ॥ मोयपहीपति॥ अरहंतजो

ध्रमरहंता अरिहंताऊंउमेसरणं २५ परसरणमयछरंता जोइंदमहिदसरणमरहंता

धम्म० धर्मकथा। उपदेसनादेहेतार॥ तेअरिहंतनुंमजनहुसरणहुहु॥ सघकाजेनीवेकरसघलाए अरिहंका० अरिहंतमय
सर्वजीवना हारिसकरुआ॥

धम्मकहंअरहंता अरिहंताऊंउमेसरणं २६ सद्यनियामहिम अरिहासघयर

सघनबोलविनोगुहुइ॥ जेवंस्यबतपालवि अरहंतजोगपहुइ॥ २७॥ तेसरणामहुकरुइ॥ उसका० समोसरणमादि॥ सवि०रद्धाऊंना॥

णमरहंता बंदइयमरहंता अरिहंताऊंउमेसरणं उमरणमदहरिद्धा चउतीस

चुत्तीसेका० चुत्तीपअतिसेलाधेनि॥ धर्मकथाकहिनाऊंना॥ एहवाअरिहंतनुंमजनहुसरणहुइ॥ २८॥ एगा० एकरागिणा० वाणीश्रा अ

अइसएनिसेविन्ना धम्मकहंवकहंता अरिहंताऊंउमेसरणं २७ एगाइगिणागे

संदेहा समंका० समयरूपकारिमसका लिछेदइ॥ तिइ० त्रिलोकनाजीवनइजेवीनराग॥ मणु० धर्मोपदेसना ऊंना॥ एहवा अरिहंत॥ २७॥

संदेहदेहिणामसछिन्ना तिऊयणमणुमासंता अरिहंताऊंतिमेसरणं २८ वय

जेवीनराग। सुदणंका० त्रिलोवन॥ निद्यावंता० पाईद्यारिमारगुण॥
नाजीहनि। वयरुपी। मण० अमृत॥ नइविषरघापिजीवनि॥ तिऊयका० जीहलोकनइसंसारघउकीउहरि॥ एहवाअरिहंत॥
॥नुंमरुनइसरणऊंउ

णामरणसुदणं निद्यावंतागुणसुद्यावंता जियलोयसुहरंता अरिहंताऊंतिमेस

अवसर० अहंत सोहा आवर्ये॥ वलानिमा समहरका० चंडमा। पयाका० पद्मा। दीयंतका० दिदिदीप्तमान॥ निय० नाजगजनआपणापानइ॥
कारीआगुण० गुणमहितवर्तइ॥ तेजवमारइ॥ नीयका० नयणा। आपणु। जस० व्यापारहिउवइ॥ मणा० आहितहिअनइमुंनन

रणं २७ अहसअगुणवंते नियजसमहरयणासियदियंते तियमणाइअंगते पडि

एहवा अरिहंतनुंमरणंपेहिवऊं २९॥ जेणइअरिहंतनिमरणाअहंमरणं॥ समनका० समासनका० सघणाजीवा निऊयका० त्रिलोवन
उघियका० द्यामाघइनेजाहि॥ समघलाए॥ ऊयण० ऊषिकरणावानि= नाजनलोकनइं

वनोमरणमरिहंते २८ उघियजरमरणाणं समत्तउखवनसत्तमरणाणं निऊयण

अरिहंत॥ सुहायाका०॥ एहवा अरिहंतनइनमोनाणका॥ जेअरिहंतनइसरणं॥ मरणसुदि०॥ खवसुविका० लोकिसुहनि
सुघना दातारजीवनि॥ माहाकनमस्कारहुइ॥ २८॥ पायकमंसुदिघयाएतलइअरिहंत मरनिजाणा सिद्ध०जेलोसिद्धे
नुंमरणाकरुइ॥ महहरषमानसुष॥

जणसुयाणं अरिहंतानमोनाणं २९ अरिहंतसरणमलसुदि खवसुधिसुहसिद्ध

तथा०
आर्यानियप
निरंतर आ
दि अनरअं
नरहिना
अरिहंतन
गयेनहर
तेहनगवंत
नुंसरणंग
हियनजोइ

अरिहंत।
सरणांकः
सरणानुघा
कनकहइ
३॥

बऊलद्वक० ॥ एणय० नमोनमो जेऊ सिरि० मऊकि० ॥ सिद्धिक० दरघमहिनएदवुं ॥
पाम्याबइ ॥ कर० बेऊहाघमबरजानीपरिरय० ॥ सगइ० कहबइ ॥ २३ ॥ जेऊआठकर्मक्षयनरकरविसिद्ध ॥
रचनाकरीनइ ॥ हउआ ॥

बऊमाणो यरणयसिरिरइयकरकमल सहरोमिकरिसेखरणइ २३ कम्मक्खयसिद्धा साद्ध

जसिद्ध। मत्ताविनकेवलज्ञानाकेवल ॥ मवए जेसिसिद्धि अवअ ॥ तेसिद्धनुमरणमऊनइं ॥ लियलोक० जेत्रणिलोकन
दर्शना मसिद्धा० मविबइ जेसिद्ध ॥ सेवाद्वाबइ ॥ ईमस्तकुरांद्वाकारद्याबइ ॥

रवियनाणदंसणसमिद्ध मबद्धलक्खिसिद्धा तेसिनाकेसमरण २४ तियलोयमच्छय

परम० जेमोक्षि। अचिंनि० निद्धाऊतिसिं मंगल० जेसिद्धनाम।मांगल्यिक ॥ सिद्ध० जेसिद्धपमुखसरमा।सुद्ध० ॥ मूलखयया० ॥
रवा ॥ सामद्धा० ममर्द्धबइ। जेसिद्ध ॥ सि। मघलाए।यनावेसीद्धाबइ ॥ मुषपाम्याबइ। तेसिद्धनुमऊनइंसरण ॥ २४ ॥ ढेरीनीपरि

वा यरमययद्धाअचिंतिसामद्धा मंगलसिद्धपद्धा सिद्धासरणंचउथयमद्धा २५ मूलख

जेणिसिद्धिसंसार ॥ अमुट० जेऊअडगणधरा चउदपूर्वीदिक ॥ जेसिद्धमत्ताविनमाहामुषमऊबइ ॥ सिद्धपरमउत्कृष्टमोक्षिपाम्याबा
नामऊखयकम्मा ॥ साध्विकरानइसिद्धिनुं स्वरूपालषानाणि ॥ तेसिद्धनुमऊनइंसरण ॥ २६

यपडिवखा अमूढखवामऊगियचरका साद्धादिय अच्चुरका सिद्धासरणायरममुखा

मऊगि० केवलज्ञानी ॥ घघखा० घनघि। जऊआ सिद्धादबइ ॥

जेणिसिद्धि। पडिपहिय० अनरंगवैरी ॥ ममयाकाणगि० ममय। ध्यानरूपाणी अणिकरी। नव० ॥ जेसिद्ध। जोईसर० जोगीश्वरबइ ॥
पडिणीया० निराकरणाद्याबइं ॥ सवसंसाररूपीआबीय० बीजअंकाकारद० बालुबइ ॥ सरणाआ० ममरवाजोगिबइ ॥ सिद्धा०

रद्द यडिपिहियपडिणीया ममगरुरागगिद्दसवद्धाया जोईसरसरणाया सिद्धासर

तेसिद्धनुमरणमऊनइं ॥ पाविय० जेसिद्ध। परम०आणंद ॥ जेसिद्धगुणना।रनीमंदा० सारागुणनोसमोदमहित ॥ जेसिद्धआपणि
करवा।याग्यकरुन ॥ २७ ॥ पामियाबइ एनलनेउत्तकहसुष ॥ बइ ॥ अनरवली जेणिसिद्धिसबसंसाररूपीउकोड ॥ सिद्धि० वहुबइ ॥ तेजि।रवि० मर्य
चंदमानातेज।

णसमरणाया २७ पावियपरमाणंदा गुणानीसंघविहिन्नसदकद्दा लक्खंकयरवि

जेणरंसिद्धि। दंदा० संसारनादंद। संगासाकलहा ॥ परम० कहबइ। बना० केवलज्ञान ॥ सारना० समारंत। आरंनथका ॥ सवणा० सो
दिका। षइकस्या। दालानेसिद्धनुमऊनइंसरणइ ॥ २८ ॥ उवलष० मामनोऊकरनेलाहूं ॥ जेविनोषिमुकाणबइ ॥ रा आवानइं

देद्दा सिद्धासरणंरवियदंदा २८ उवलद्धयपरमत्था उल्लहलंभोविहसारंभा सुरराय

वरक० सामान्यथरनर। जिमघंना। धरवा ममर्थकरइ ॥ एमचकरतांमरं० एसिद्धनुमरणकिमलक्ष्यं। इवरसाधुनुमरणकहबइ माऊगु०
तिमसंसारसोदिकानाजीवनइसिद्धनुंमरणममर्थकरइ ॥ तेकरणहि सिद्धनइमरणीकरीनइबेनऊ० गुणवंतसाधूनेमरणकरवानइंवि
सामनेदेखनेनाथकरु० निगमनिरमेथहिति ॥ धइअनुरागनावजणायउपजुं ॥

रधरागवसा सिद्धासरणतिगारंभा २९ सिद्धसरणेगनयबद्धरुई साऊगुणजणियअणु

जसिद्धनिगारंनीबइएदवा सिद्धनुमऊनइंमरणऊजेरणी। इत्यादिका।मानतइकरीनइज्ञानाद्वऊइ। ०एसिद्धनुंमरा
॥ जाणिवुं ॥

सएपसङ्घ०पञ्चास्त्रकजसाधुनागुण। मेयलि० मेदनीयक्षीनदंसलि॥ जेसाधूसमस्तजीवलोकनइं॥ वलीतरणादिकऊगईं०
मघत्र०समक। मिलेन०मेली। अमाडानइंनछि०नादीतेगुण। इमं॥ बेधुणी०क०बोधवजायबइं॥ ऊगतिरुमोज्ञसिधुणी
पतबि। आगलिसरणासि। कहीसि॥३०॥उकंच॥

रङ्ग मेयणीमिलेतरुपसङ्घ मङ्गलचतुर्विधसरणइं३० सिद्धदेवयधुणी ऊगइंसिधुणीया
समुइनइंमा०दाभागिवंत॥ ज्ञानदशनीतचारित्रतणय॥ सारणाक०साधणाहारएहवा॥ वलीसाधुकहवा बइं०केवली०केवली
जेसाधुपारिणयाबइं॥ लिकरी। सिव०मोक्षिसुपना॥ साधुनेसकलइंसरणाहुजा३१॥ अवधिज्ञानी। विपुलमति। मनःपर्यवज्ञानी
रणमहालाभा नाणारएहसिद्धसुक मादणासाऊणोसरणं३२ देवलिगेपरमोही वि
सुयआ०सूत्रसिद्धांतनाजेधरणहार। आगुणधरादिक॥ आयरि०जेआचार्ये॥ जेभेवे०तेमघलाएहवासा॥ चउद०चउदपूरवधर
जिणमयक०जिनमतवीतरागनासासनमाहीला॥ उवझा०उपाध्याय॥ धुनेसकलइंसरणाहुजा॥३२॥ दशा०पूरवधर। नव०

उलमईसुयहराजिणमयंमि आयरियउवझाएतेमहंसाऊणोसरणं३२ चउदसद
नवपूरवधारक॥ इवालव०बाजपोग। सिद्धार०अपार॥ जिणक०जेजिनकल्पी॥ हालि०अभिग्रहिधारी साधुनाभासुक्लसंपरा
एहवासुनीश्वर अंगनाधरणाहारएहवा मुनीश्वर॥ यथाख्यातचारित्रनापालणहार॥ परिहारविहचारित्रनापालणहार॥एहवासाधु
तरणतारण॥ ऊगइंसरण३३॥
सहवपूरवी इवालसिद्धारसंगिणोजेय जिणकप्पीहालिहिय परिहारविसुद्धसंकुय३३

जेसाधुनाऐ
आमिलमल
मात्रादिक। अ
क्षधनजपिआ
ताइ। अक्षरपद
लिखइ। तेसंत
नश्रीचत्तलब्धि
कहीइंछ॥
वलीसाधुसि
द्धांतनाएक
नइंकहीइं
गणिनहीनो
पणिवीसस
तहिएहवा
मुनी३।४॥

स्त्रीरागव०धारअवलवधिनाधणी। साधु॥ मनेचव०मनेतअनलबधिनाधणीजेसाधु। चारणा०जेघाचारणा। विद्याचारणलबधिनाध
तीषा। कडुयादिकरसआस्वादतेऊनाइंधं॥ मोयक०अंतरइंद्रियादिकपाविइंद्रा। तेसि णीसाधु: वेउ०विक्रयलबधिनाधणीसा
धरघरागसरं॥ नवाबोनुअर्थीं आगल्यानइं॥ नुद्रि०एनलरूपकेकिरइंद्रियइंद्रातायपि धुपयाणुएपदानुसरणालबधिनाधणी
वचनकसाऊंनाउधरअग्रगमि: मऊया० रवेदिजाणिएहनोबीजोअर्थ॥ मनेनक०४ साधुजाएकपदनागवसोपदनासहअ

रवारसदमऊंयासद मसिन्नस्सायऊडबुद्धीय झारणावेउद्वियपयाणु सारिणीमाऊं
एहवासाधुनुंमऊ॥ उक्षिय०बाम्हाबइंजेणइं॥ वलीनिंदनिंदोईज्यरिसदो०खदखंतवइं॥ जिणिसाधिगुणना। मेदो०
नइंसरणहुजा३४॥ साधिवैरअनइंविरोध॥ नहो॥पसंत०जसंतसमताइंकरी सु०सोनाबइं॥ मामाद। अविरम०जाणाबइं॥

णोसरणं३४ उक्षियदयरविरोहा निंदमदोषमनमुदमोहा अरतिमयगुणसं
वलीजेणइंसाधिमोहखणाबइंएहवासाधु॥ जेसाधिस्सहसपिणी०टालक० जेसाधुकामनोगना। अधम०ध्यानरहितहबइं॥निका
नुंमऊनइंसरणंहुजा॥३५॥ दोरदोषनीअक०बेदाबइं॥ मक०निकामहबइं। कामनोगनधी। कामनोगरहित

दोहा दयमोहामऊणोसरणं३५ खंतिदमिगेदामा अकामअनिकाममुद
जेमुयरुसमनलाभरघनामनमाहा। वलीतेसाधुआयणुआत्मासिद्धोतरूपाआ। मनइंसरणं॥ जेणइंसाधि। विषय। अनइंकषाय॥ जेणइंमा
साधुतेरमनीकबइं आगमनइंविषइंरमाकिसाधुएहवासुनश्वरुंमुहुजा॥३६॥ मिल्हिय०मेहेल्या बोआबइं॥ धिरुथिय

कामा मुयरुसमणासिरामा अयामामुणीसरणं३६ मिल्हियविसयकसाया उक्षि
मऊया०मधुराअवलब्धिनाधणीसाधु॥कमुयाकमयलादिका। नघानीरसआहार जिमाऊंनागल्याघरेघरेमि। नघाएहनोबीजोत्र
धे आणिलानइंवचनकधनकल्याऊंनागल्यामधुरघरेपरमइं३७।

कए बोल्या। घर। अनइ। घरणि ए आय।। अक ए कोई कलीतस कइ। हरिक ए हरष वनइ।। जे साधु नो धर्म ाद गय कए।। जे साधु ने
मज नादिक ना संग। सुष माना बोल्यो इ।। अथवा विसाय ए इई आमा दिय षवा दए पनो।। गयु इ।। ते साधु नुं सरण इ ३७।। दिक नइ विष

कथने।।

इसं ना इ।
दिसा रहित
इ।। २ ।।

यघरयरणि संग मुहमाया अकलिय हरिस विसाया साकु मरण गयण माया ३७ हिसाइ

जे णाइं। कारुना क ए दया नो धर्म ा क य ए की धु इ।। अजरा मर। पक ए पं।। मुक्त ए षु।। जे साधु स्व रूप सुभी या इ ए ते साधु
सं यं ए आप णा घर या इ करी ते स्था इ।। सं यत रू। समुद्र। जे ला कि।। घि मार गि।। सार्या इ।। नुं मरुन इ मरण हु ज।। ३८।।

नीधरि। मरन
सरता। रन्नायु
रू।। २ ।।

दोस मुक्का कय कारुन्ना सयं सरुयन्ना अजरा मरय हरषु न्ना साकु मरण मुकय पुन्ना ३८

जे साधु का मनो गना विडंबना षट्की।। कलि मल ए कलष पाप धकी।। पाव ए पाप रजा मुक्या ए।। साधु। ज्ञान दर्शन चारित्रा दिक। गुण
चुका क ए रहीत ष या इ।। मुक्का ए मुकं णा इ।। विवि ए चोरी मुक्की।। तेह थकी रहित इ।। रूपा रत्ने करी। वन्दिक ए मंडित सो

काम विडंबण चुक्का कलि मल मुक्का विविक्क चोरिक्का पावरय मुरय रिक्का साकु गुण रयण व

नित इ। एह वा सा।। जे साधु। मुद्दिया। मूर्छित ना। मार्ग।। आसी ये आदि देई नइ। उपाधाय।। दिव इ। सुत्र करना कद इ। साधु।। नष्टा ते ए ते सा
धुनुं मरुन इ। मरण हु।। नइ विष इ। म्भा ना रह्या इ।। परि। ते उ ते साधु कह्या।। नागुण मिइं मरण व इ करी नरं यह्या।। धुनुं मरुन इ।

(३ एफि)

दिक्का ३९ साकु त मुद्दिया जं आयरिया इ तय ते साकु साकु त रिण ए णा गद्दिया तस्था ते सा

मरण हु।। ए त्री जे साधु नुं मरण। पंडित पण ए पंडित जं
॥ ४० ॥ वर्णवे। कऊं दिवस चउ धुमरण कहसइ।। मरण। कानक ए करी नइं।।

पुणो वि ए पुनर्पि वला। जिन धर्मनु।। पहरिम ए हर्ष मल्लि।। रोमंचक ए व्यापवि
श। विस्मर विउ त्फुल्ल वि।।

इणो मरण ४० पंडिय मरणं मरणं कत्तेइणो वि जिण धम्मं पहरिस रोमंच यंच

नण क ए मरारि। केवक ए को इ उ। अं।। पवर क ए घ धाना। मुके दि ए मूरुत।। नवरि ए एष को अवर अनेरु। के दि वि ए पा मवाया ए पहना।।
चीयक ए रवी नइ। इस्सत णि। क दइ इ।। धुनि करी नइ। जिन धर्मे पासु ऊअ।। वल्ल दत। मंत्रम। चक्र वत्या दिक पणि तेण इ नए।।

धर्मनुपाम्युं।।

केचअ चिय तणू सरणइ ४१ पंडिय मुकय दिप्पन्ने पन्ने दिविन घरि के दिविइ यन्ने तं केवलि

तं धर्मं केवल नुं पकु पिउ।। ते धर्मनुं सरण इं पवि।। पन्ने ण क ए अयते ण ए के न ले के।। पन्नाणिय ए।। जे णिक ए।। जे तर मनु हता।। पुण क ए पुनर्पि।
वज्जे ।। ४२ ।। धर्मपाम इं।। धर्म अण पामि इ ति।। पामा।। सुर ए देवतो ना सुष।। जिन धर्म। मोक्षि।

पन्ने धम्म सरणं पवनो कं ४२ पन्न रण अपन्न राय पन्नाणिय जे णर मुर मुद्दाइं मुक सु

ना सुष। पन्ने ण क ए पामी इं।। ए धर्म विना। अनेर इ धर्म। मोक्षि ना सुष न पामी इ।। जे धर्म। कलष। पाप कर्म रा नि।। कय ए की धु इ जे न वैरी
मक ए ते धर्मनुं। मेक ए मरुन इ मरण दत्त। ४३।। जिणि। अधर्म रूपी अ।। मल्ल य ए आवतो मल्लु

इंदण पन्नरण नवरि धम्मो त्तम मे मरणं ४३ दिट्ठ लियकलुस कम्मा कय सुद्द ज मो

अवतोराष्ट्रग।तेशीसुसमूहतजन्म। पसुरुकयधरिवक्रू परणामि० मरणं०नेधर्मनुंसमनरं॥ जेधर्मविक्रकालिकहीरं नमंथ
कय०कीधु जेणिश्रीजिनधर्मो॥ कण्ठेहेजलगाइ जयश्रीरमलीक मरणदुज्ज॥ ध्रुव॥श्रीजित॥ कण स्तिनघायामु।एतलिवण
मलाशोसइवइश्रीजिनधर्म॥

चतुशरणसु खलीकयअदम्मो यमुद्दपरसामिरमो मरणंमोहाइजिणधम्मो ध्रुव कारुन्नगवि

सुंनघा श्रीजिन॥ वलाधर्मोकलावाबरजन्मजरा॥ एजिनमनधर्मोबकमयंक०बकमन। ग्रहिनेधर्मेनुंमरणंकयमिवजु
धर्मेलोकनिविधि॥ मरण आधिनासइममं०ममाबि॥ घणाजीवाअमयं० अरुतनीपरि॥ जेश्रीजिनधर्मेकंतिपारिउत्तारि

नमयं जंमजरमरणदाहियमभयं अमयंचकंमयंनिरुमयंच धम्ममरणोय

ध्रुव॥ जेणंधर्मेरकामकंदय।ममीअंममाबा। वलाधर्मोदहादिहाठाडाअणदाहीवलनर सिवसुठ्ठलाक्षिसुषनाक
यमोहठ०घकष्टि।मोहानरममानाहारहर॥ विघरकजीवयणु।विरोधपणुतयामर॥ ला।ममोहं०वेगलानकर॥

वन्नोहं ध्रुवपमियकामपमोहं दिडादिडेसुनकलियविरोहं सिद्धसुफलयमरमा

एहवाश्रीजिनधर्मेनुंकमरणं॥ जेश्रीजिनधर्मेनरगइ०तरगइतिनुं॥ वलाधर्मेमहागुणा।मंदोहठ०ममोहबर॥ निहिमिठ०दलिउवम
यजिवजे॥ध्रुव॥ गमणकठ०जावुंसंधर॥ पवाश्रकठ०परवादियरदनीजिनधर्मेथकी।निषेहं० दुकठकंदपमपाअ॥

हं धम्ममरणंपवन्नोहं ध्रुव नरयगइमरणगहं गुणसंदोहंपवाइनिखोहं निहिमियवम

निखोहं०मोनवीनमकरजेणंश्रधर्मेर॥

जोहंकहितां। एहवाश्रीजिनधर्मनुंक्रम नासुर०मर्यनीपरिंदहिंदीयमान।सुवन० जेधर्मेज्ञानानाविकरवि॥गारवक०अनय। निहिमि०निष्क्रा
जोध वैर॥ रणपजिवजे॥ध्रुव॥ मोनानाएरिमलागनीकासुदर०जेधर्मिमनो करा अलंकृतबर॥ दानरकरीमोडुंबर वलाधिक्रनि
रुबर। सुदगतिनादेनाहारबरजेधर्मेट्ट दोगबहरक०

हजोहं धम्ममरणंपवन्नोहं ध्रु सासुरसुवनसुर रयणालंकारगारवमहग्घं निहिमि

दिरगनिनरइरिएकनाग॥ एहवोश्रीवीतरागनोउपदेसुधर्म॥ हवइबीजोपकारकहिवइ।एव्यारमरण रोमरायरुपाउ। अचिंत्यरचनाइ
गमि।बीजीत्रियंचगतिनिरुधि॥ तेहनुंइंजेवाइं॥ध्रु॥ गमण०करीनइ।सुवरि०मरुनाकरुनाकुवनोसं॥ कोधुउ॥ ॥लोनितहवु॥
करनरं

दहोगबहरं धम्मंजिणदेसियंवंदं ध्रु बनमरणगमणसचिय सुचरियरोमहरुअविअम

पुःरुनयायकस्यालोइ॥तेयहितिदिइ॥ असुनकर्मघइकरवा।केखिरोपुधोवनेजंनो इहुंनगरांकहइबर॥ धणी इहमवय०सिरोआणिसवि अधवा॥ मिवन०म
मनसचिय०अनेरासवि॥ घाबघवनी

रासकयइकअमरिदा अमुहकम्मखयकरिवीरागई ध्रु इसहियन्नसचिय मिछत्त

विजेकइ।जेमिरहिंगण०॥ जिणपवय०जिनघवजने नेमरकरवरकरीउरुपायना॥ मिथ्याबरुपारंतेमअं॥ अरिहंत्यादि
जेनिरंअधीकरणानल्लाचक॥ नुरुकराटाकाम्यास्तोइ॥ ओलोजनेणायजंयकंनिडु०॥ धकारिकरीनइं॥ कना।॥
यारिसादिकघबुताव्याहोइ॥

यवत्तगाजमरणं जिणपवयणापरिकहं उहंगरिहारमिलयादं ध्रु मिछत्तनमंथेणं अरिहं

आगइंनोवान्त्याअवनाऊइ॥

एवलीनेभ
आगाधिमा०
आगाधरबर
मुरुयबरापर
जाविशेषेरं
सघलइमानी
रावलीधर्म
केरेबुंबर
जिमदानइलानें
निधानलाधर
दालिद्रजाइ।
तिमजावदया
मपाउ॥उ॥

अब्रह्मवादवचनमोल्पोहोइ अज्ञानपणइकरीकुणावरम्याहोइ।जोम्याहोइ इच्छिठदवजो।गरिहामि ५३॥ सुयठअनधर्मनाचउ॥
एतालसंबन्धविधमयनाइहलोहोइ नग्गाहोइबलाव्याकोइरोवव्याहोइअनिनोठहोइ॥ ग्रहुंतेयावेठतेयापनिंदे॥ विधमंथना।साधुना॥
नेइनइविषइआपणाआत्मा आपिउहोइ॥

तारसुअवन्नवयणजं अन्नाणगरिहरूयं इच्छिगरिहामितेयादे ५२ सुयधम्मसंयमाऽसु या

यतनीकाउकराविनीजेरचनानेणइ। वली अनेरोजेयाणा॥ इच्छिठदवजो।गरिहामिठगुरु अनेसुयठ अनेराजीवनइठविषइ
करानेपापरजलागाहोइ॥ ००॥ कोईकीधोहोइ॥ तेयावि॥ नारक॥ निंदुंठतेयाठयावते॥ ५२॥

दंपडिणायणाऽऽरूरूयं अन्नसुयादेसुय इच्छिगरिहामितेयादे ५२ अन्नेसुयजावेसुय मि

मित्रीठमित्री॥ करुणाइठदयापर।गोयेठ॥ परजीवनइयतायनापाजाकीधोहोइबली॥ तेमर्वपाप॥ जेमनिइंकरीवचनिक॥
मधिमसावा।मुकयेठमऊतइनिएनकीधो॥ कोईइषदीधोहोइ हणादइणावाहोइ॥ कुतिंकयइ॥ टिकायाइकरीकोर्पप॥
ऊइ॥

त्रीकरणाशुरोयेसुक्कयं परियावणाइउरके सङ्गगरिहामितेयादे ५३ जेमणावयकाएहिं

कयठकाधुहोइ।करावुंहोइ।अणुमईठअनुमो॥ तेधर्मनइंविरोध।अमुधापापमि।करणीकर॥ अइठअबअतोसर।मोठतेदुः
धुंऊया।आऊटीकोईपापकर्म।आठआवसुंहोइ॥ न।मनावचसुहोइतेपापकर्म आवऊंयऊंनिंदुंपक्ष॥ ऊतपापनीयरातिकानरक
॥५८॥

कयकारियअणुमएहिंआयरियं धम्मविरुद्धमसुद्धं इच्छिठपच अहमोउक्कउगरिहा दुलि

इकजेठतेदुःकृतपापादलीउकठदली॥ सुकम्माठसूकृतकरणदोनतो। अणुयठराग समरनिठउपनइकेनि॥ अरिहंतनागु
मुकोंगनलगएदुःकृतपापरहितऊगेहुआ॥ पलीयेसोमोक्षतसरणि।करठउमिऊंनि।करालोठकर्मक्षयकरवा ण।जेअरिहंत
नुंअनुमोदवुंफुटकठवगट।नाकहवइ॥ नइ।विकरालऊंतोकहवइ॥५५॥ मादाऊर।

उक्कउक्कजेकुंसराइ सुकणुरायसमुइन्न पुन्नपुन्नयकरकरालो यप अरिहंत्र

तेदइसंअनुमोउ॥ जेसिद्धनागुणानिधमा। जेआचार्यमादि।आचार्यपणाइं॥ उपाध्यायमादि।उपाध्यायपणुंउपाध्याय नगिनणाव
हिंहोइतेदइसंअनुमोडं॥ होइ।तेबत्रीसगुण अनुमोडं॥ सागुणाठहइ।अष्टारअंगबारउपांगबउदपूर्व इतेअनुमोडं
इ॥२॥

रिहंतेसु जेइसिद्धइणेहसिद्धसु आयारआयरिए उवझायतंउवझाए पइ साहुण

साधुनइंगुणेजेमाधुववरि॥ जलाणाजेजेनपतिलोका देसवनार्थवक॥ अणुमन्नेठ॥ अनइंअवतिसमकतइष्टीनुं॥ अइवाकठ
तेमाधुनुआचरणाअनुमोडं॥ इहआविकाइरतेस्तो ह्युंदेसवत॥ अनुमोडं॥ समकतअनुमोडं॥५७॥॥॥ अथवा॥

साहुचरियदंसणरइचरणजुगाण अणुमन्नेसंमिसमत्तसुद्धाण ५८ अहवा

पंचेंद्रीयकठसयलाधुनि वचननइंमिशंतनइंअणुसारि० जेमितिनिदंकठचलिकालि अनिनकालि॥ मोतयठतेअदाअणुमोए
नीकरणीवीतरागना॥ सूत्रेमलऊंतेअनुमोडं॥सुकइठसुकृतकर्त्तादा।वृतमानकालिसुकृत॥ अनुमादताकरतेइउयठ
॥कसंबुअनइमनानिकालिसुकृतकरसुते॥॥

सघचियढीयरा दसणाणुसारिजेसुकइंकालन्नाणवितिविह अणुमोणमोनयमन्ने ५८

Digitized with financial assistance from the
Government of Maharashtra
on 11 June, 2017

सुत्तरुमिमननइंयरि॥ चउ०व्यारमरणनुं।गमाय०करवु॥ कमल०रुमीनली। पयजी०घ॥ बद्धाउ०रुगामनना। अथिर
णमि।निनयतिमदेव॥ अथिर०आचरवइंजीवो०जावइं॥ हति।बंधई०बांधइंमेथिकरि॥ माथनइंकरवइंसुत्तरुमीबंधाइं

सुदयरिणामोतिहं चउसरणगमाइआयरजीवो कमलपयइनबधइ बद्धानमुद्द.गुबंधाइ

यणं॥ मदगु०नेसुकमनीपरुति।मंदतावामबलबोधी॥ तावनावगादाबंध। अनरइविरंजेअसत्तकर्मी।निरणुक०तेव्यारमरणनइं
होइनेव्यारमरणनइं।करवि।करीनइ॥ = कणइक०करि॥ निरंतरबाधादोइ।आकरा॥ करविनेअसत्तकर्मनिवा

५णं॥ मदगुत्तादाढइ तावणुत्तादान कणइत्तानेद अमुद्दानतिरणुबधन कणायतिहानमं

णुक०तीव्र आकरा॥ चुत्तदि०बुद्धिवंतनाहामनिष्पनिबंधि०निनयति॥ असकिलेसमि०क्लेसमणउपतइं।जोनीचणिकाला।
तिमंददीलाकरइ६०॥ अनरइवली।सकलेसमि०कलेसआवि।तएयं०तइ॥ समं०मत्सरचकारि।व्यारमरणकरितो मुक्तसुकोफ
बीकव्यारमरण॥ कायवं०करइसुत्तवेन॥

दरुइ०तएयंकायबं बुद्धदिनिद्धणिमकिलेसमि होइतिकालसम अमकिलेसमिमुक्कं

लाक्खइ६१॥ जिनधर्मनोघार अंग।साधुधाना।एरवणइनक३०नकीधो।अनरंजेणइ।व्यारअंग।वलीनवसंसारनाकरु० नकीधोजेणइएव्यार
स्त्रीलब्धना।तप।माषितावना॥ अथिरनमिइ साधुधर्मएहनसरणान०नकीधुं॥ व्यारअंगनेकहिइ× मरणनकीधो।तेणिए

मनुष्य।देवता
नारको।तिर्यंच
जेणइएदोजे
उपडेदकीधु

फलंइ६२चउरंगोजिणधरम्मा नकउहउरगमरणमहिनकरु चउरंगोलहइजेउ नकउहाहारिउ

दाहारिउ०हारि
उनागमुनेणइं

मनुष्यजन्म६२॥ श्यनी०आरजीहघमादि॥ वीर।आरजावजु।कमीविचारवानइं।वीरसम॥ निमग०त्रिकालएचउमरण तिहुईए०निचलिमोक्षिना
मनुष्यपणुमहारि॥ ॥॥ धंबज।मेव०एअनइ।कल्पाण।आधनकहिजं ध्याइं अधिचीवइं।मकम × मुषनुकारणदोइ६३

जम्मो६२श्यजीवपमायमहारि वीरइतमेयमझरणं कणमुतिमंकमढम कारणतिहुश्सुद्धणं६३

मकंकहिनावाभउनोदिय।मजफलदोइज २श्नि।चउमरण